प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ०प्र०, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद–देवरिया,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक: SPMU/NUHM/Visit Report/2022-23/ 7780 दिनांक: 18.01.2023 ~~12.2022~~

विषय: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत राज्य स्तरीय टीम द्वारा जनपद देवरिया की भ्रमण आख्या के सम्बंध में।

महोदय,

जैसा कि आप अवगत है कि राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत आपके जनपद देवरिया की स्वास्थ्य इकाईयों का भ्रमण दिनांक 26 से 30 दिसम्बर, 2022 के मध्य किया गया। जिसकी भ्रमण आख्या पत्र के साथ संलग्न है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में आपसे अपेक्षा की जाती है कि विस्तृत भ्रमण आख्या के अनुसार सुधारात्मक कार्यवाही करते हुये अपनी आख्या 15 कार्य दिवस के अन्दर अद्योहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– विस्तृत भ्रमण आख्या।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांक: SPMU/NUHM/Visit Report/2022-23/ तद्दिनांक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऍं, उ०प्र०।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, उ०प्र०।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गोरखपुर मण्डल।
4. अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति/जिलाधिकारी, देवरिया, उत्तर प्रदेश।
5. समस्त महाप्रबन्धक/विभागाध्यक्ष, एस.पी.एम.यू., एन.एच.एम., उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
6. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, गोरखपुर मण्डल।
7. जिला कार्यकम प्रबन्धक, जनपद–देवरिया, उ०प्र०।

(डा० आर०पी० दीक्षित)
महाप्रबन्धक, मातृ स्वास्थ्य

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद–देवरिया,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांकः SPMU/NUHM/Visit Report/2022-23/ दिनांकः 10-01-2023 ~~.12.2022~~

विषयः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत राज्य स्तरीय टीम द्वारा जनपद देवरिया की भ्रमण आख्या के सम्बंध में।

महोदय,

जैसा कि आप अवगत है कि राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत आपके जनपद देवरिया की स्वास्थ्य इकाईयों का भ्रमण दिनांक 26 से 30 दिसम्बर, 2022 के मध्य किया गया। जिसकी भ्रमण आख्या पत्र के साथ संलग्न है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में आपसे अपेक्षा की जाती है कि विस्तृत भ्रमण आख्या के अनुसार सुधारात्मक कार्यवाही करते हुये अपनी आख्या 15 कार्य दिवस के अन्दर अद्योहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– विस्तृत भ्रमण आख्या।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांकः SPMU/NUHM/Visit Report/2022-23/ 7780-7 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, उ0प्र0।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, उ0प्र0।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गोरखपुर मण्डल।
4. अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति/जिलाधिकारी, देवरिया, उत्तर प्रदेश।
5. समस्त महाप्रबन्धक/विभागाध्यक्ष, एस.पी.एम.यू., एन.एच.एम., उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
6. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, गोरखपुर मण्डल।
7. जिला कार्यकम प्रबन्धक, जनपद–देवरिया, उ0प्र0।

(डा0 आर0पी0 दीक्षित)
महाप्रबन्धक, मातृ स्वास्थ्य

भ्रमण आख्या – जनपद देवरिया, 26–30 दिसम्बर, 2022

भ्रमण टीम के सदस्य

1. श्री योगेन्द्र कुमार यादव – स्टेट एस0एन0सी0यू0 कॉर्डिनेटर,
2. श्री सोनु गौतम – कार्यकम समन्वयक, एम0 एण्ड ई0

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत मिशन निदेशक महोदया द्वारा दिये गये निर्देशों के कम में जनपद देवरिया का दिनांक 26 से 30 दिसम्बर 2022 तक सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या निम्नवत् है–

जिला महिला एवं पुरूष चिकित्सालय – देवरिया

1. जिला महिला एवं पुरूष चिकित्सालय भवन में चल रही सुविधाओं को मेडिकल कालेज की नवीन भवन स्थानान्तरित करने का कार्य प्रगति पर था। अतः साफ सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी।
2. गाड़ियों की पार्किंग सही तरीके से नहीं थी जिससे अम्बुलेंस आने जाने में दिक्कत हो रही है।
3. लिफ्ट बंद थी जिससे मरीजो के उच्चतल पर आने जाने में दिक्कत हो रही थी।
4. शिकायत पेटिका एवं काण्डोम बाक्स इकाई के ओ.पी.डी. एरिया में नही लगे हुये पाये गये एवं आई0 सी0 का कार्य आदि पूर्ण नहीं थे।
5. लैब के अन्दर किये जाने समस्त जांचो की सूची को प्रदर्शित नही किया गया है।
6. स्टाफ द्वारा बायो मेडिकल वेस्ट का सेग्रीगेशन नही किया जा रहा था। जबकि कलर कोटेड डस्टबिन उपलब्ध थे।
7. एनआरसी–
    a. एन0आर0सी0 जिला चिकित्सालय से मेडिकल कॉलेज में स्थानान्तरित किये जाना प्रक्रियाधीन है।
    b. न्यूट्रीशनिस्ट अवकाश पर थी अवकाश का कोई भी रिकार्ड उपलब्ध नहीं कराया गया तथा अन्य स्टाफ ड्यिूटी पर उपस्थित नहीं थे।
    c. एन0आर0सी विगत एक माह से संचालित नहीं थी एवं कुपोषित बच्चों को सुविधा एवं उपचार उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।
8. **लेबर रूम–**
    a. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (दायी एवं सफाई कर्मचारी) का अभाव था जिसकें करण लेबर रूम की साफ–सफाई संतोषजनक नहीं पायी गयी।
    b. लेबर रूम के बाहर गलियारे में टूटी कुर्सियां व मेज रखे हुये थे।
    c. लेबर रूम में एन0बी0सी0सी0 कार्नर बना हुआ था लेकिन बेबी टावल, बेग एवं मास्क व अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध नहीं थे।
    d. प्रसव कक्ष में 02 लेबर टेबल लगे हुये थे किन्तु कैलिस पैड पंचर थे एवं मेकेंटोस गंदे एवं फटे हुये थे। रूम थर्मामीटर एवं डिजीटल क्लॉक उपलब्ध नहीं था।
    e. हेन्ड वांशिंग हेतु साफ सुथरा वाश वेशिंग एवं एल्बों टैब नहीं था।
    f. डिलिवरी रजिस्टर एवं अन्य रजिस्टर उपलब्ध थे किन्तु सही तरीके से भरे हुये नहीं थे। कुछ स्टाफ नर्सो को प्रशिक्षण की आवश्यकता हैं। उन्हें हाई रिक्स प्रेगनेंसी के लक्षणों के विषय में जानकारी नही थी।
    g. जे0एस0एस0के के अन्तर्गत निःशुल्क डाइट एवं निःशुल्क ऐंम्बुलेंस की सुविधा जा रही थी।
9. पी0एन0सी0 वार्ड–
    a. पी0एन0सी0 वार्ड में शौचालय की व्यवस्था नहीं थी।

b. हैण्ड वासिंग हेतु बने बेसिन में एलबोटैब नही लगा था।
c. मरीजों से बात करने पर ज्ञात हुआ की जन्म के 1 घण्टें के अन्दर स्तन पान नहीं कराया जा रहा है एवं छः माह तक केवल स्तनपान कराने के बारे में काउंसिलिंग नहीं की जा रही थी।
d. बच्चों के बीमार होनें पर उन्हें कहाँ ले कर जाना हैं इसके बारे में भी नहीं बताया जा रहा है।
e. परिवार नियोजन हेतु सहीं काउंसिलिंग नहीं हो रही थी।

10. <u>एस0एन0सी0यू0 कक्ष –</u>
a. प्रवेश द्वार पर शू रैक एवं शू कवर मास्क स्लीपर उपलब्ध नहीं थे एवं लोगों की भीड़ रोकने हेतु कोई भी व्यवस्था नहीं थी।एस0एन0सी0यू0 में तैनात सिक्योरिटी गार्ड एस0एन0सी0यू0 की जगह अन्यत्र डियूटी कर रहा था।
b. एस0एन0सी0यू0 के कई उपकरण क्रियाशील नहीं थे एवं उपकरणों के मरम्त हेतु सेवा प्रदाता कम्पनी CYRIX के द्वारा मैपिंग भी नहीं की गयी थी।
c. एस0एन0सी0यू0 में बालरोग विशेषज्ञ एवं स्टाफ नर्स उपलब्ध थे।
d. जिला महिला चिकित्सलय में 18 बेड की एस0एन0सी0यू0 संचालित है, जिसकी बेड अक्यूपेन्सी रेट लगभग 123.62 प्रतिशत है।
e. साफ–सफाई व्यवस्था संतोष जनक पायी गयी।
f. के.एम.सी. कक्ष जिला चिकित्सालय से मेडिकल कॉलेज में स्थानान्तरित किये जाने की प्रक्रियाधीन है।

11. आ0पी0डी एरिया में काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन एवं एच.आई.वी. काउन्सलर अलग–अलग कक्ष में बैठी हुयी थी। जिसमें मरीजों के बैठने हतु पर्याप्त स्थान एवं गोपनीयता नही थी।
12. कहीं पर भी कण्डोम बॉक्स नही लगा पाया गया एवं सुझाव बॉक्स भी नहीं था।
13. एम्बुलेंस स्टाफ ड्रेस में नहीं पाए गए, केस शीट व हन्डोवर रजिस्टर अपूर्ण पाए गए एवं एम्बुलेन्स का बैक डोर का लॉक टूटा हुआ था जिसकी मरमम्त की आवश्यकता है।

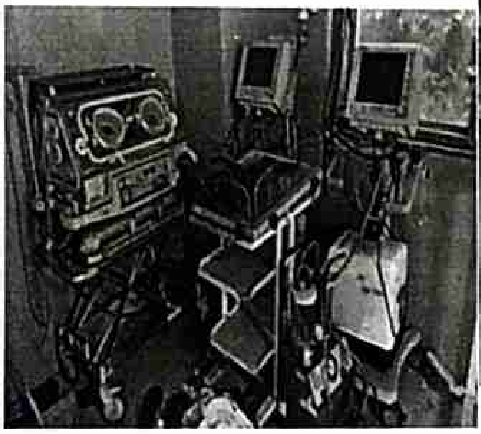

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गौरी बाजार</u>

1. प्रसव कक्ष में कार्य संतोष जनक पाया गया, परन्तु केसशीट पूर्ण नही भरी जा रही थी। स्टाफ नर्स द्वारा बताया गया कि विटामिन–के1 इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने के कारण नवजात शिशुओं नहीं लग रहें। किन्तु फार्माशिष्ट का रजिस्टर चेक करने पर विटामिन–के1 इंजेक्शन उपलब्ध मिले जिसे शीघ्र प्रसव कक्ष में देने हेतु कहा गया।
2. एन0बी0एस0यू0 में मानाकानुरूप 4 रेडियंट वार्मर एवं 2 फोटो थेरिपी मशीन होनी चाहिऐं किन्तु केवल दो रेडियंट वार्मर एवं एक फोटो थेरिपी मशीन उपलब्ध थी। एम्बु बैग के समस्त पार्ट उपलब्ध नही थे।
3. एन.बी.एस.यू. के सामने शूज रैक एवं शू कवर/चप्पल उपलब्ध नही थी एवं स्टाफ के द्वारा एन.बी.एस.यू. कक्ष में विना किसी प्रोटोकॉल को फालो किये आया जाया जा रहा था।
4. स्टाफ द्वारा एन0बी0एस0यू0 की ऑनलाईन रिपोर्टिंग नहीं की जारही थी। जिसे आई0डी0 पासवर्ड देकर एवं स्टाफ का अभिमुखीकरण करके शुरू कराया गया।
5. औषधियों हेतु इन्डेंट इकाई के स्तर से मैनुएल रुप में किया जा रहा है।
6. मेडिसीन स्टाक से सम्बन्धित रिकार्ड का चिकित्साधिकारी के स्तर से वेरीफिकेशन नही किया गया था।
7. दैनिक ओ.पी.डी. में कौन कौन सी दवाएं कितनी मात्रा में वितरित हुई और कितनी शेष है इसका कोई रिकार्ड नही तैयार किया जा रहा था।
8. इकाई पर किये जाने वाले समस्त लैब टेस्ट की सूची प्रदर्शित नही थी।
9. इकाई स्तर पर बायोमेडिकल बेस्ट का निस्तारण सम्बन्धी प्रोटोकॉल को फालो नही किया जा रहा था।
10. सैम बच्चों के रेफरल रिकार्ड पूर्ण नही किये जा रहे थे।
11. प्रथम तल की कुछ भाग की छत खराब हो गयी है इस हेतु जनपद/ब्लाक स्तर से आवश्यक कार्यवाही करते हुये इसको ठीक कराया जाना है।
12. एम्बुलेंस स्टाफ ड्रेस में नहीं पाए गए , केस शीट व हैन्डोवर रजिस्टर अपूर्ण पाए गए।

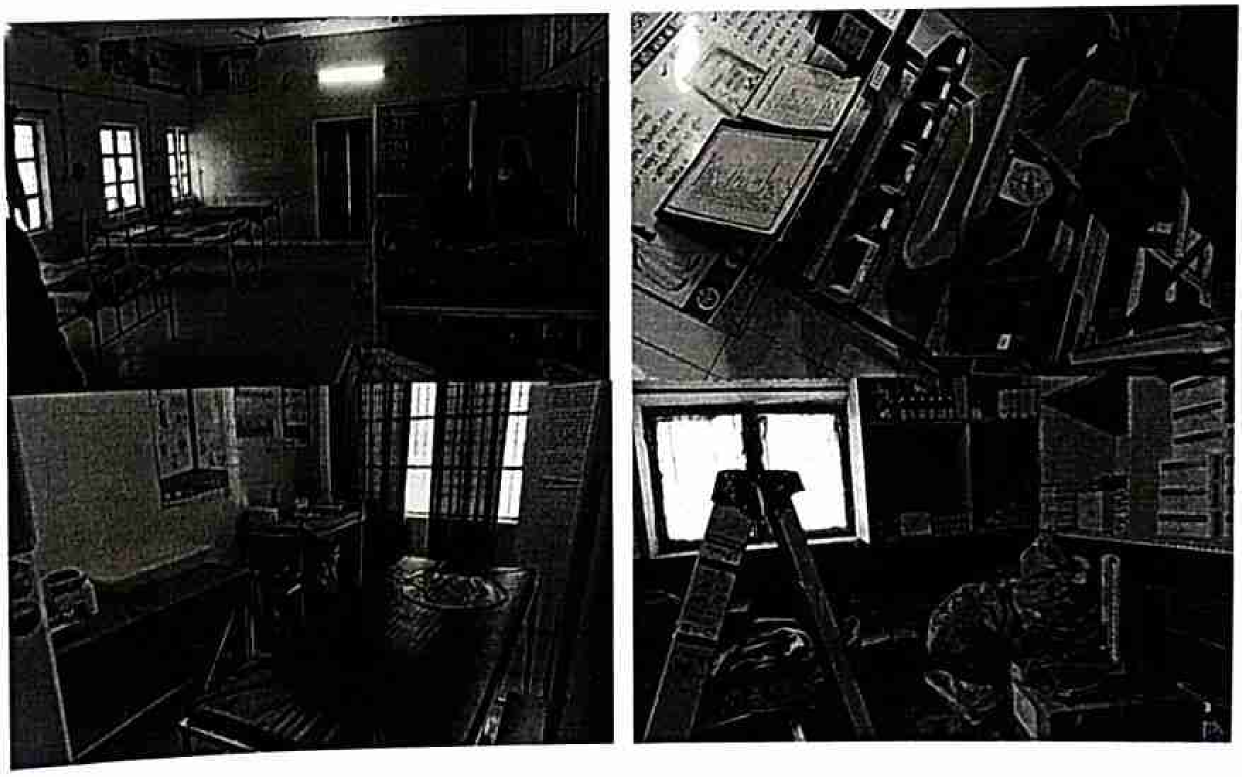

वी.एच.एन.डी. सत्र उपकेन्द्र – पथराहट, ब्लाक गौरीबाजार

1. उपकेन्द्र पर ए.एन.एम. बबीता के द्वारा वी.एच.एन.डी. का आयोजन किया जा रहा था।
2. सत्र के दौरान माइक्रोप्लान उपलब्ध नहीं था।
3. ए.एन.एम. के द्वारा ड्यू लिस्ट बनायी गयी थी।
4. ड्यू लिस्ट के अनुसार 19 टीके लगने थे भ्रमण के समय मात्र 05 टीके लगे हुये थे।
5. ए.एन.एम. को एच.आर.पी. के विषय में पूर्ण जानकारी का अभाव पाया गया।
6. आशा के द्वारा ई–कवच पोर्टल का उपयोग नहीं किया जा रहा था।
7. ए.एन.एम. के द्वारा ए.एन.सी. के दौरान गर्भवती महिलाओं की समस्त जॉचे नही की जा रही थी।

वी.एच.एन.डी. सत्र उपकेन्द्र – लबातनी, ब्लाक गौरीबाजार

1. उपकेन्द्र पर ए.एन.एम. चन्दु यादव के द्वारा वी.एच.एन.डी. का आयोजन किया जा रहा था।
2. ए.एन.एम. के द्वारा ड्यू लिस्ट बनायी गयी थी।
3. बी0पी0 आपरेटर उपलब्ध थे एवं गर्भवती महिलाओं का बी0पी0 एवं अन्य जॉचें की जारही थी।
4. ड्यू लिस्ट के अनुसार 75 प्रतिशत बचों को अभी टीके नहीं लगें थे।
5. टैलीशीट पूर्ण पायी गयी।
6. ए.एन.एम. के द्वारा ई–कवच पोर्टल का आई.डी. एण्ड पासवर्ड उपलब्ध थे उपयोग किया जा रहा था।
7. टीम के सैम एवं अन्य बच्चों को देखा जा रहा था।

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, उपकेन्द्र – इन्दुपुर

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर जर्जर अवस्था में पाया गया।

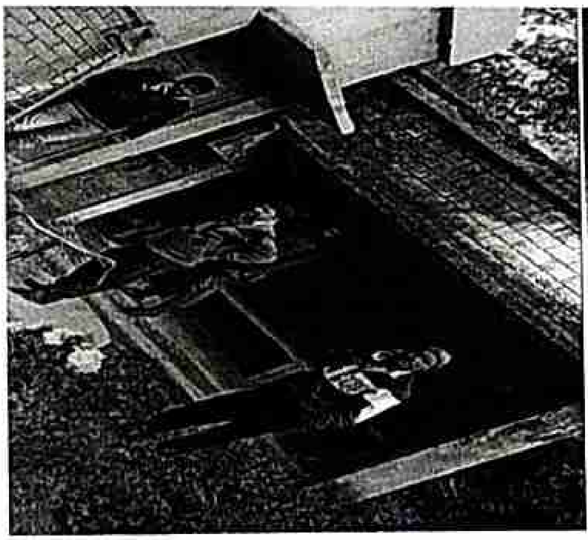

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सलेमपुर

1. फार्मेसी के अन्तर्गत वर्तमान में 03 फार्मासिस्ट की तैनाती इकाई स्तर पर है, परन्तु किसी के द्वारा भी ई0डी0एल0 के सम्बन्ध में कोई जानकारी उपलब्ध नही करायी जा सकी।
2. औषधियों हेतु इन्डेंट इकाई के स्तर से मैनुएल रुप में किया जा रहा है। रैबीज इन्जेक्शन वायल उपलब्ध नहीं थी जिसका इण्डेन्ट समय से नहीं किया गया था।
3. फार्मेसी हेतु उपलब्ध कराये गये कम्प्यूटर सिस्टम का उपयोग नहीं किया जा रहा है।
4. प्रयोगशाला में एच0बी0 एवं मलेरिया की जांच हेतु किट उपलब्ध थी परन्तु शुगर, बिडाल, एच0बी0एस0ए0जी0, यूरिन शुगर, यूरोमीटर–120 स्टिप उपलब्ध नहीं थी, जिससे यह जांचे नहीं हो पा रही थी। इकाई पर किये जाने वाले समस्त लैब टेस्ट की सूची प्रदर्शित नही थी।
5. दैनिक ओ.पी.डी. में कौन कौन सी दवाएं कितनी मात्रा में वितरित हुई और कितनी शेष है इसका कोई रिकार्ड नही तैयार किया जा रहा था।
6. एन0बी0एस0यू0 में मानाकानुरूप 4 रेडियंट वार्मर एवं 2 फोटो थेरिपी मशीन होनी चाहिऐं किन्तु केवल दो रेडियंट वार्मर एवं एक फोटो थेरिपी मशीन उपलब्ध थी। एम्बु बैग के समस्त पार्ट उपलब्ध नही थे।
7. एन.बी.एस.यू. के सामने शूज रैक एवं शू कवर/चप्पल उपलब्ध नही थी एवं स्टाफ के द्वारा एन.बी.एस.यू. कक्ष में बिना किसी प्रोटोकॉल को फालो किये आया जाया जा रहा था।
8. एन.बी.एस.यू. के स्टाफ को एफ0बी0एन0सी0 आनलाईन रिपोर्टिंग के विषय में अभिमुखीकरण किया गया एवं आनलाईन बच्चों का एडमीशन एवं डिस्चार्ज की इन्ट्री करायी गयी के.एम.सी. हेतु रिक्लाईनिगं कुर्सी लगाने हेतु अनुरोध किया गया।
9. प्रसव कक्ष में कार्य संतोष जनक पाया गया, परन्तु केसशीट पूर्ण नही भरी जा रही थी। सभी नवजात को वर्थ डोज का टीकाकरण किया जा रहा था।
10. ए0एन0सी0 हेतु बी0पी0 मशीन, हाईट मेजरिंग स्केल एवं वेट मशीन उपलब्ध थी। जांच करने पर पाया कि वेट मशीन 7 किलो बजन कम दिखा रही थी। जिसे रिप्लेस करने हेतु कहा गया।
11. एम्बुलेंस स्टाफ ड्रेस में नहीं पाए गए।
12. परिसर में एक्स–रे मशीन खराब थी जिसे शीघ्र सही कराने हेतु निर्देशित किया गया।

<u>अन्य बिन्दु :-</u>

1. जनपद का गौरी बाजार विकासखण्ड माननीय मुख्य मंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकता में सम्मलित 100 आकांक्षात्मक विकासखण्ड कार्यक्रम के अर्न्तगत चयनित हैं। विकासखण्ड के प्रगति का अनुश्रवण चयनित संकेतांकों के आधार पर किया जाता है। भ्रमण के दौरान संकेतांको से सम्बन्धित अभिलेख कार्यालय में उपलब्ध नहीं थें।
2. चाइल्ड डेथ रिव्यु हेतु कमेटि नही बनी थी एवं सामुदायकि स्तर से चाइल्ड डेथ रिव्य की रिपोटिंग नहीं की जा रहीं थी।
3. जनपद में 5 एन0बी0एस0यू0 स्वीकृत है किन्तु कहीं से भी ऑनलाईन रिपोर्टिंग नही की जा रहीं थी।
4. बाल स्वास्थ्य से सम्बन्धित कार्यक्रम (सी0डी0आर0 एवं एन0बी0एस0यू0) के अनुश्रवण हेतु जनपद स्तर पर एम0एच0 कंसेल्टेंट या किसी अन्य को नामित किया जाये ताकि कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित किया जा सकें।

उपरोक्त समस्त बिन्दुओं पर मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय के साथ वार्ता कर अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा आवश्यक कार्यवाही कराते हुये कमियों को यथाशीघ्र निस्तारण हेतु आश्वासन दिया गया।

Yogendra
18/01/2023
Yogendra Kr Yadav
State SNCU S/W Cor (CH)

18/01/2023
सोनू गौतम
कार्यक्रम समन्वयक, एन० एच० ई०